250 शब्दों में मेरा भारत महान हिंदी पर निबंध

मेरा भारत महान हैं, और हमें अपने भारतीय होने पर गर्व है। जहां अलग- अलग धर्म, जाति, भाषा, रंग, रुप के लोग बहुत प्रेम से साथ रहते है। जहां मंदिर में पूजा पाठ होती घंटी और शंख की मीठी धवनी आपको पवित्रता एहसास दिलाएगी, मस्जिदों में आजन, चर्च में गॉड की प्रेयर ये सब मेरे भारत पूरे विश्व के देशों से अलग बनाता हैं। भारत ने हमेशा हर संस्कृति का सम्मान किया है। जहा **दिवाली**, **होली**, **क्रिसमस**, **ईद** हर त्योहार को अपने से मनाया जाता हैं। भारत में मुग़ल शासकों और अग्रेजों का साशन हमारी संसकृति का हिस्सा रहा हैं भारत में हमेशा **अतिथि देवो भव:** की संस्कृति रही है। मुगलों और अंग्रेजो ने हमारे ऊपर कई साल शासन किया लेकिन हम भारतीयों ने उनका भी दिल खोल कर स्वागत किया उन्होंने कई बार भारत में फूट डालने की नीति अपनाई लेकिन भारत ने विविधता में एकता के रहते उन्हें यहाँ से भाग जाने के लिए मजबूर कर दिया। इतना कुछ होने के बावजूद भी हमारी संस्कृति, संस्कार और अपनेपन में कोई बदलाव नहीं आया।

भारत की संस्कृति सच में अद्भुत है लोग दूर-दूर से लोग भारत की संस्कृति और सभ्यता का अध्ययन भी करते हैं। अपने से बड़ो का आदर सत्कार करना, छोटो के साथ विनम्रता से व्यहवार करना हमें बचपन से ही परिवार का महत्त्व बताया जाता है और कैसे परिवार को प्रेम के धागे में पीरो कर रखना चाहिए साथ ही भाईचारे से सबके साथ कैसे रहना चाहिए। भारत अपनी विभिन्न नृत्य कलाओं ये लिए भी प्रसिद्ध है।

मित्र को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक बधाई पत्र लिखिए। (6, 7, 8)

1357 शिवाजी पार्क
फारसीब गंज,
नई दिल्ली
दिनांक: 2-3-2021

प्रिय मित्र सुधीर,

तुम्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि तुम इस बार अपना जन्मदिन बहुत अच्छे ढंग से मना रहू हो। अगर परीक्षा सर पर ना होती तो मैं अवश्य तुम्हारे जन्मदिन पर तुम्हारे साथ होता। आशा करता हूं कि तुम्हारे अगले जन्मदिन पर मैं तुम्हारे साथ ही रहूं।

पुनः तुम्हें जन्म-दिन की हार्दिक बधाई। तुम्हारे जन्मदिन पर मैं न आ सका इसका मुझे खेद रहेगा। ईश्वर करें तुम स्वस्थ और प्रसन्न रहो।

अपने माता पिता जी को मेरा चरण स्पर्श कहना और अन्य छोटे एवं बड़ों को उचित अभिवादन।

शेष मिलने पर
अभिन्न मित्र
रतन